न्यायालय नहीं जाएंगे पारिवारिक विवाद, शीघ्र होगा सिंधी सामूहिक विवाह का आयोजन

शहडोल।

संभाग के शहडोल, उमरिया और अनूपपुर जिलों के सिंधी समाज की संयुक्त बैठक रविवार को सिंधु भवन में आयोजित की गई। बैठक में तीनों जिलों के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में समाज के प्रतिनिधि, पदाधिकारी और प्रबुद्धजन शामिल हुए। बैठक की अगुवाई शहडोल सिंधी समाज के अध्यक्ष गोविंद जेठानी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश जगवानी तथा संजय रोहरा सहित अन्य वरिष्ठजनों ने की।बैठक में निर्णय लिया गया कि शहडोल संभाग स्तर पर सिंधी समाज को संगठित करने के लिए शीघ्र ही "सिंधी महापंचायत" का गठन किया जाएगा। इस महापंचायत में बुढार, ब्यौहारी, धनपुरी, अमलाई, बिरसिंहपुर पाली, कोतमा, जैतहरी सहित विभिन्न क्षेत्रों की सिंधी पंचायतों को जोड़ा जाएगा। एक सप्ताह के भीतर संभागीय कार्यकारिणी के गठन पर सहमति बनी।बैठक में समाज सुधार को लेकर करीब दस महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई। समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि वर्षों से चली आ रही कुरीतियों को समाप्त करने का समय आ गया है। विशेष रूप से शादी-विवाह में होने वाले अनावश्यक खर्चों, दिखावे और महंगी रस्मों को समाप्त करने का निर्णय लिया गया। प्री-वेडिंग जैसे आधुनिक लेकिन खर्चीले आयोजनों को हतोत्साहित किया जाएगा ताकि परिवार आर्थिक बोझ से बच सकें।इसके अलावा विवाह समारोहों में दूल्हे को कंधे पर उतारनेनकद लेन-देन आधारित रस्मों और विवाद बढ़ाने वाली परंपराओं को समाप्त करने पर सहमति बनी। समाजजनों का मानना है कि ऐसी रस्में अक्सर तनाव और विवाद का कारण बनती हैं, इसलिए इन्हें सरल और सम्मानजनक तरीके से संपन्न किया जाना चाहिए।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि परिवार में शोक की स्थिति में अनावश्यक भोज और भीड़भाड़ से बचा जाएगा। केवल परिवारजन और निकट संबंधी ही शामिल होंगे। इससे फिजूलखर्ची कम होगी और शोक की घड़ी में परिवार पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा।

किन्नरों के नेग को लेकर भी चर्चा हुई। समाज ने कहा कि विवाह, जन्मोत्सव और अन्य अवसरों पर एक निश्चित राशि तय की जाएगी ताकि अनावश्यक दबाव और विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो। कई स्थानों से शिकायतें सामने आई थीं कि अलग-अलग शहरों से आने वाले समूह अत्यधिक धनराशि की मांग करते हैं।सबसे महत्वपूर्ण निर्णय यह रहा कि पारिवारिक विवाद, वैवाहिक मतभेद और तलाक जैसे मामलों को सीधे न्यायालय ले जाने से पहले समाज स्तर पर सुलझाने का प्रयास किया जाएगा। महापंचायत के माध्यम से आपसी संवाद और समझौते से समस्याओं का समाधान निकालने की पहल की जाएगी।

बैठक में सिंधी भाषा और लिपि के संरक्षण पर भी जोर दिया गया। समाज के वरिष्ठजनों ने कहा कि घरों में बच्चों से सिंधी भाषा में संवाद किया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी मातृभाषा और संस्कृति से जुड़ी रहें।इसके साथ ही आने वाले समय में सामूहिक विवाह एवं युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। इसमें मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों के सिंधी समाज के युवक-युवतियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिससे विवाह संबंधों में सरलता आएगी और खर्चों में कमी होगी। बैठक में उपस्थित समाजजनों ने इस पहल का स्वागत किया।

खबर संक्षेप

10वीं बोर्ड में आराध्या तिवारी का शानदार प्रदर्शन, 483 अंक हासिल

बेटी की सफलता पर पिता ने जताया गर्व, परिवार में बंटी मिठाइयां

शहडोल। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश की वर्ष 2025-26 की 10वीं बोर्ड परीक्षा में नगरीय क्षेत्र के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का मान बढ़ाया है। खास बात यह रही कि इस बार बेटियों ने शानदार परिणाम देकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है।

इसी कड़ी में भारतीयम स्कूल ब्यौहारी की छात्रा आराध्या तिवारी ने 483/500 अंक प्राप्त कर न केवल अपने स्कूल, बल्कि पूरे परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। आराध्या, सिद्धार्थ तिवारी और स्वेता तिवारी की पुत्री हैं। आराध्या की इस उपलब्धि पर उनके पिता सिद्धार्थ तिवारी ने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि बेटी ने मेहनत और लगन से यह सफलता हासिल की है। उन्होंने बताया कि आराध्या शुरू से ही पढ़ाई में होनहार रही है और उसके इस परिणाम से पूरा परिवार बेहद खुश है।इस खुशी के मौके पर तिवारी परिवार में मिठाइयां बांटी गईं और परिजनों व शुभचिंतकों ने आराध्या को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष घोषित बोर्ड परीक्षा परिणामों में क्षेत्र के कई विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। मेधावी छात्रों की इस सफलता से पूरे इलाके में हर्षोल्लास का माहौल है और लोग उन्हें प्रोत्साहित कर उनके परिवारों को बधाई दे रहे हैं।

बुढ़ार के झिरिया विद्यालय में श्रमदान, विद्यार्थियों को स्वच्छता व जल बचत के प्रति किया जागरूक

शहडोल। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में जनभागीदारी को बढ़ावा देते हुए विद्यालयों में स्वच्छता और जल संरक्षण को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड बुढ़ार अंतर्गत माध्यमिक विद्यालय झिरिया में स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सामूहिक कन्या विवाह सामाजिक समरसता और सद्भाव का प्रतीक- विधायक

सामूहिक कन्या विवाह से समाज में सादगीपूर्ण एवं आदर्श विवाह को मिल रहा बढ़ावा- जनपद अध्यक्ष

वैदिक रीति-रिवाज के साथ 198 जोड़ों ने लिए सात फेरे, बंधे परिणय सूत्र में

शहडोल। जनपद पंचायत ब्यौहारी के ग्राम पंचायत रसपुर में अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की उपस्थिति में सामूहिक कन्या विवाह कार्यक्रम उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 198 जोड़ों ने वैदिक रीति-रिवाज एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ सात फेरे लेकर वैवाहिक जीवन में प्रवेश किया और परिणय सूत्र में बंधे। आयोजन स्थल पर पारंपरिक संस्कृति और सामाजिक एकता की सुंदर झलक देखने को मिली।

उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नवदंपतियों को माला पहनाकर, स्मृति चिन्ह भेंट कर एवं पुष्पवर्षा कर उनके सुख, समृद्धि और मंगलमय वैवाहिक जीवन की कामना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक शरद कोल ने कहा कि सामूहिक विवाह सामाजिक समरसता और सद्भाव का प्रतीक है। इस प्रकार के आयोजन समाज में समानता, सादगी और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा, "अक्षय तृतीया का पावन अवसर अत्यंत शुभ होता है और इस दिन किए गए प्रत्येक शुभ कार्य का फल अक्षय होता है।

यह आयोजन सभी नवविवाहित जोड़ों के लिए मंगलकारी सिद्ध होगा।" उन्होंने विवाह संस्कार को भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण अंग बताते हुए कहा कि सामूहिक विवाह से अनावश्यक खर्चों में कमी आती है और सभी को अपनी खुशियां साझा करने का अवसर मिलता है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अध्यक्ष जनपद पंचायत श्रीमती आकांक्षी सिंह ने कहा कि सामूहिक कन्या विवाह समारोह का उद्देश्य समाज में सादगीपूर्ण एवं आदर्श विवाह को बढ़ावा देना तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहयोग प्रदान करना है।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से एक ही मंच पर अनेक जोड़ों का विवाह विधिवत संपन्न कराया जाता है, जिससे सामाजिक एकता को मजबूती मिलती है।

सामूहिक विवाह कार्यक्रम के माध्यम से जहां एक ओर विवाह में होने वाले अनावश्यक खर्च को कम किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने का भी सशक्त संदेश दिया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान नवदंपतियों को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 51 हजार रुपये की आर्थिक सहायता के प्रतीक स्वरूप चेक एवं गृहस्थ जीवन की आवश्यक सामग्री प्रदान की गई, जिससे वे अपने नए जीवन की शुरुआत सुगमता से कर सकें।

इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत ब्यौहारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

पांच साल से अपनी ही जमीन के लिए भटक रहे आदिवासी किसान, वन विभाग पर कब्जे का आरोप

शहडोल। प्रदेश सरकार द्वारा आदिवासियों के उत्थान और उन्हें भूमि अधिकार दिलाने के दावों के बीच जिले की ब्यौहारी तहसील से एक गंभीर मामला सामने आया है। ग्राम इंदवार के दो आदिवासी किसान अपनी निजी भूमि पर कब्जा वापस पाने के लिए वर्ष 2021 से सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें न्याय नहीं मिल सका है। पीड़ित किसानों ने वन विभाग पर उनकी स्वामित्व भूमि पर जबरन कब्जा कर वृक्षारोपण करने का आरोप लगाया है।

जानकारी के अनुसार ग्राम इंदवार, पटवारी हल्का ओदारी स्थित खसरा नंबर 154/2 और 154/4 की कुल 1.416 हेक्टेयर भूमि राजस्व अभिलेखों में जगदेव कोल और परदेशी लाल कोल के नाम दर्ज है। किसानों का कहना है कि उक्त भूमि उनके पूर्वजों के समय से खेती योग्य रही है और वे वर्षों से इस पर कृषि कार्य कर परिवार का भरण-पोषण करते आए हैं। इसके बावजूद वन विभाग ने बिना राजस्व विभाग की अनुमति और किसानों की जानकारी के भूमि पर कब्जा कर वृक्षारोपण कर दिया।

दस्तावेजों के अनुसार दिसंबर 2021 में तहसीलदार के आदेश पर राजस्व निरीक्षक द्वारा मौका मुआयना किया गया था, लेकिन वन विभाग के सहयोग न करने से सीमांकन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। इसके बाद 10 जुलाई 2023 को किसानों ने कलेक्टर एवं उत्तर वन मंडल वनमंडलाधिकारी को लिखित शिकायत देकर सुरक्षा और न्याय की मांग की।

मामला लंबित रहने पर 23 फरवरी 2026 को किसानों ने पुनः एसडीएम ब्यौहारी को आवेदन सौंपा। इसके बाद 9 अप्रैल को नायब तहसीलदार पपौंध ने 10 अप्रैल को संयुक्त सीमांकन के आदेश जारी किए, लेकिन प्रशासनिक उदासीनता के कारण यह कार्रवाई भी पूरी नहीं हो सकी।

मुख्य पीड़ित जगदेव कोल ने बताया कि उनके पास ऋण पुस्तिका, राजस्व अभिलेख और लगान भुगतान के दस्तावेज मौजूद हैं, फिर भी उन्हें अपनी ही जमीन पर जाने से रोका जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीमांकन की मांग करने पर वनकर्मी जेल भेजने और झूठे मामलों में फंसाने की धमकी देते हैं। क्षेत्र में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो किसानों का आक्रोश आंदोलन का रूप ले सकता है। वहीं प्रशासन की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है।

कन्या विवाह योजना में नाम जोड़ने पर बवाल, महिला सरपंच परिवार से मारपीट

पांच आरोपियों पर एफआईआर दर्ज, पीड़ित पक्ष ने पुलिस पर अधूरी कार्रवाई का आरोप

शहडोल। जिले के अमलाई-बटुरा क्षेत्र में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना को लेकर विवाद हिंसक रूप ले बैठा। गाली-गलौज और मारपीट के इस मामले में पुलिस ने पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने मामले की गंभीर धाराओं को नजरअंदाज किया है।

जानकारी के अनुसार घटना 17 अप्रैल की सुबह करीब 8 बजे की है। पीड़ित संजय वासुदेव अपने घर के बाहर बैठे थे, तभी गांव के कुछ लोग पहुंचे और मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में नाम जोड़ने को लेकर विवाद शुरू हो गया। बात बढ़ने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित ने बताया कि वह ग्राम बटुरा की आदिवासी महिला सरपंच का पति है। आरोप है कि आरोपी एक ऐसी महिला का नाम योजना में जुड़वाना चाहते थे, जो पहले से विवाहित है। इस पर आपत्ति जताने पर आरोपियों ने हमला कर दिया। शिकायत के अनुसार आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला किया, जिससे संजय वासुदेव को पीठ, पेट और सीने में चोटें आईं। जान बचाने के लिए उन्हें पास की एक दुकान में शरण लेनी पड़ी। बीच-बचाव के दौरान पीड़ित की पत्नी, जो ग्राम की सरपंच हैं, और उनकी वृद्ध मां के साथ भी मारपीट किए जाने का आरोप है। पुलिस ने तीनों का मेडिकल परीक्षण कराया है। मामले में योगेश वासुदेव, भीखम वासुदेव, भोला वासुदेव, शिवम वासुदेव और विनोद वासुदेव को आरोपी बनाया गया है। सभी अमलाई-बटुरा क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि एफआईआर में महिला सरपंच और वृद्ध मां के साथ हुई मारपीट का समुचित उल्लेख नहीं किया गया है। उनका कहना है कि पुलिस मामले को पारिवारिक विवाद बताकर हल्का करने की कोशिश कर रही है, जबकि विवाद योजना में नाम जोड़ने को लेकर हुआ है। इधर, घटना के दौरान आरोपियों में से एक व्यक्ति के घायल होने की भी जानकारी सामने आई है, जिसका उपचार जारी है। इस संबंध में शिकायत दिए जाने की बात कही जा रही है, लेकिन पुलिस की ओर से इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत धनपुरी में मच्छर नियंत्रण हेतु व्यापक फॉगिंग अभियान संचालित

शहडोल। स्वच्छता सर्वेक्षण 2026 के अंतर्गत नगर पालिका धनपुरी द्वारा शहर को स्वच्छ एवं मच्छरजनित बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री पूजा बुनकर ने बताया कि नगर के विभिन्न वार्डों में नियमित रूप से फॉगिंग मशीन के माध्यम से मच्छररोधी दवा का छिड़काव कराया जा रहा है।

नगर पालिका द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मच्छरों के प्रसार को रोकना एवं मलेरिया, डेंगू जैसी गंभीर बीमारियों से आमजन को सुरक्षित रखना है। लगातार किए जा रहे छिड़काव से मच्छरों के प्रजनन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हो रहा है, जिससे नागरिकों को राहत मिल रही है। प्रशासन का मानना है कि समय पर की गई यह पहल जनस्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इसके साथ ही नगर पालिका के मैदानी अमले द्वारा जनजागरूकता गतिविधियों को भी समान रूप से प्राथमिकता दी जा रही है। अमले द्वारा वार्डों में पहुंचकर नागरिकों को मच्छरों से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही है। लोगों को समझाइश दी जा रही है कि वे अपने घरों एवं आसपास के क्षेत्रों में पानी का जमाव न होने दें, कूलर, टंकी एवं अन्य जल स्त्रोतों के पानी को नियमित अंतराल पर बदलते रहें तथा साफ-सफाई बनाए रखें। यह भी बताया जा रहा है कि थोड़ी सी लापरवाही मच्छरों के पनपने का कारण बन सकती है, जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। नगर पालिका द्वारा किए जा रहे इन समन्वित प्रयासों फॉगिंग के साथ-साथ जनजागरूकता से शहर में स्वच्छता का स्तर बेहतर हो रहा है और नागरिकों में भी स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ रही है। स्थानीय नागरिकों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे शहर को स्वस्थ एवं सुरक्षित बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम बताया है।

नगर पालिका धनपुरी का यह अभियान आने वाले समय में भी निरंतर जारी रहेगा, ताकि शहर को मच्छरजनित बीमारियों से मुक्त रखते हुए स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित किया जा सके।

नो एंट्री बेअसर : डीजल टंकी के फेर में घंटों जाम, जनता परेशान, प्रशासन मौन

शहडोल। ट्रांसपोर्ट नगरी बुढार में इन दिनों नो एंट्री के नियम पूरी तरह ध्वस्त नजर आ रहे हैं। बुढार से धनपुरी जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित डीजल टंकी में ईंधन भरवाने के लिए भारी वाहनों की रोजाना लंबी कतार लग रही है, जिससे शहर की यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। हालात ऐसे हैं कि प्रतिदिन तीन से चार घंटे तक सड़क किनारे ट्रक और अन्य भारी वाहन खड़े रहते हैं, जिससे मुख्य मार्ग पर लंबा जाम लग जाता है और आम लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

यह मार्ग पहले से ही शहर का सबसे व्यस्त इलाका माना जाता है। कॉलेज, स्कूल, नगर परिषद, न्यायालय, पुलिस थाना तथा व्यापारिक प्रतिष्ठानों के कारण यहां दिनभर लोगों की आवाजाही बनी रहती है। इसके बावजूद भारी वाहनों की कतार से सड़क संकरी हो जाती है और छोटे वाहनों, विद्यार्थियों तथा पैदल राहगीरों को निकलने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। कई बार दुर्घटना जैसी स्थितियां भी निर्मित हो चुकी हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग अब तक गंभीर नहीं दिख रहे हैं।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शहर के भीतर भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया था और नो एंट्री व्यवस्था भी लागू की गई थी, लेकिन अब यह नियम सिर्फ कागजों तक सीमित रह गया है। आरोप है कि कुछ लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए नियमों को नजरअंदाज किया जा रहा है, जबकि आम जनता रोज परेशान हो रही है। दिसंबर माह में स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन और यातायात पुलिस शहडोल से शिकायत कर व्यवस्था सुधारने की मांग भी की थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का कहना है कि प्रशासन, नगरीय निकाय और जनप्रतिनिधियों की चुप्पी समझ से परे है। ऐसा प्रतीत होता है मानो आम जनों की समस्या से किसी को कोई लेना-देना नहीं है।

स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि डीजल टंकी के बाहर भारी वाहनों के लिए अलग पार्किंग व्यवस्था बनाई जाए, नो एंट्री नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए तथा जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाए जाएं। वरना आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

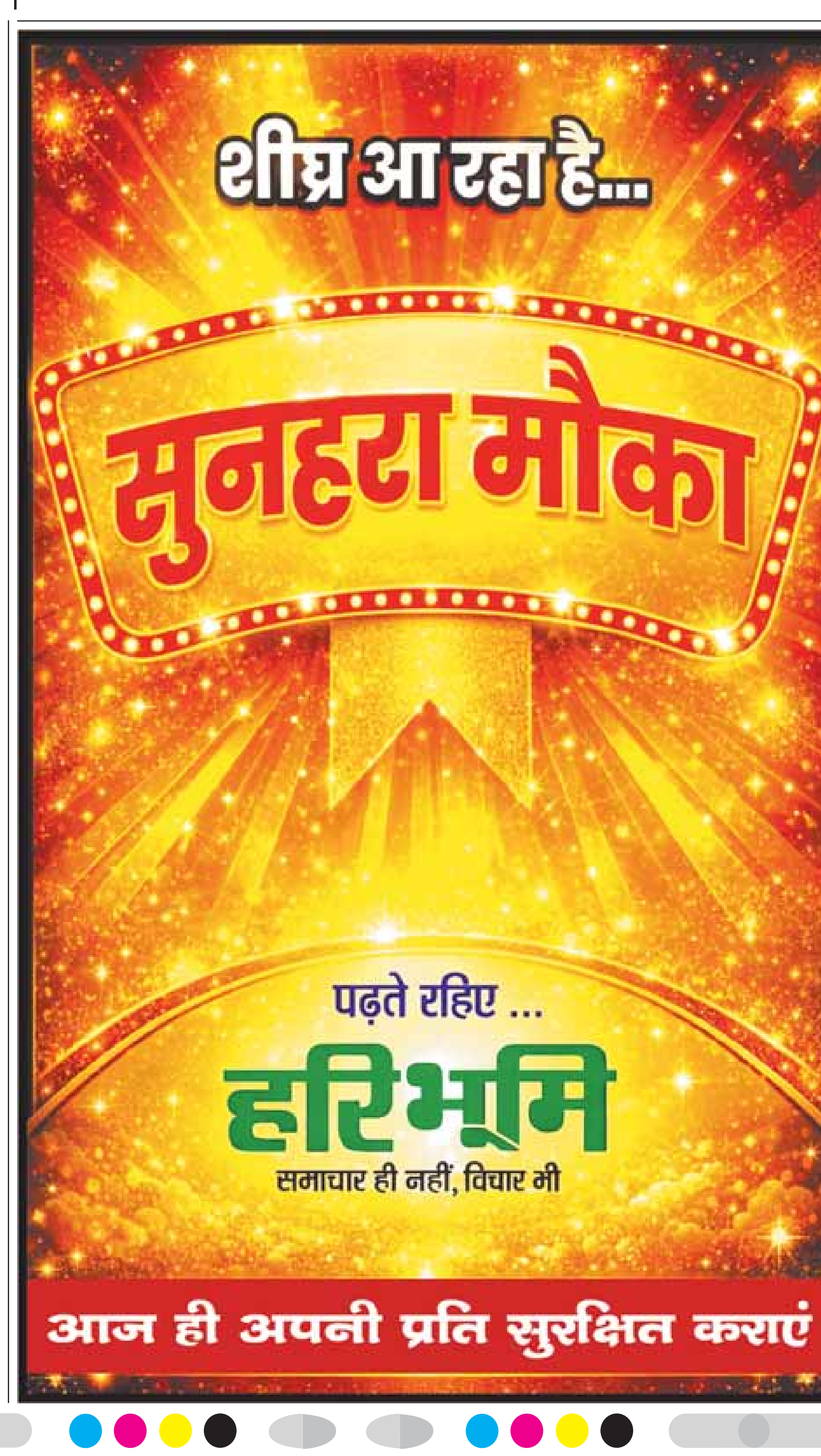

खबर संक्षेप

भीषण गर्मी में राहतः पार्षद ने खुलवाए निःशुल्क प्याऊ

शहडोल। भीषण गर्मी के बीच आमजन को राहत देने के लिए नगर परिषद बरगवां-अमलाई के पार्षद पवन चीनी ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विभिन्न स्थानों पर निशुल्क सार्वजनिक प्याऊ शुरू कराए हैं। इस पहल से राहगीरों और स्थानीय लोगों को ठंडा पेयजल उपलब्ध हो रहा है।नगर परिषद क्षेत्र के 15 वार्डों में करीब 10 स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था की गई है। वार्ड क्रमांक 6 स्थित मुख्य बाजार दुर्गा मंदिर प्रांगण में बाजार आने-जाने वाले लोगों के लिए प्याऊ शुरू किया गया है। इसके अलावा अमलाई-धनपुरी मार्ग पर ज्ञान हार्डवेयर के पास, वार्ड क्रमांक 5 के अमलाई-चचाई मुख्य मार्ग और अमलाई से संजय नगर मार्ग पर भी राहगीरों की सुविधा के लिए प्याऊ संचालित किए जा रहे हैं। पार्षद पवन चीनी ने बताया कि गर्मी के मौसम में लोगों को पेयजल की समस्या न हो, इसे ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि नगर परिषद क्षेत्र में जहां भी पानी की कमी महसूस होगी, वहां भी निशुल्क प्याऊ शुरू किए जाएंगे। इस पहल से स्थानीय नागरिकों ने राहत महसूस करते हुए इसे जनहित में सराहनीय कदम बताया है।

प्रवीण की सफलता पर जताई खुशी

हरिभूमि न्यूज बदरा/ जमुना। एसईसीएल जमुना कोतमा क्षेत्र के होनहार युवक प्रवीण कुमार पटेल द्वारा संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) सिविल सेवा परीक्षा में 781वीं रैंक हासिल करने पर पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। इस उपलब्धि को लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों में भी खासा उत्साह देखा जा रहा है। इसी क्रम में जमुना कोतमा एरिया की संगठन मंत्री (एचएमएस) एवं जेसीसी सदस्य आमाडांड ओसीएम, बोसकी सिंह ने प्रवीण की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे पूरे क्षेत्र, जिले और प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बीच प्रवीण ने कड़ी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर यह मुकाम हासिल किया है, जो आज के युवाओं के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है। बोसकी सिंह के साथ-साथ एसएमएस परिवार ने भी प्रवीण की इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए 22 अप्रैल को उनके गृह आगमन पर भव्य स्वागत करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर प्रवीण का स्वागत किया जाए, ताकि क्षेत्र के युवाओं को उनसे प्रेरणा मिले और वे भी अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर हों। बोसकी सिंह ने आगे कहा कि प्रवीण कुमार पटेल की यह सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे जमुना कोतमा क्षेत्र की सामूहिक खुशी है। ऐसे प्रतिभाशाली युवाओं का सम्मान करना समाज की जिम्मेदारी है, जिससे अन्य छात्र-छात्राएं भी प्रेरित होकर कठिन परिश्रम करें और अपने सपनों को साकार करें।

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की हकीकत

सूने केंद्रों ने खोली तैयारियों की पोल

कई केंद्रों पर ताले, किसानों की कम रुचि और धीमी स्लॉट बुकिंग से प्रशासनिक दावों पर उठे सवाल

मध्यप्रदेश सरकार ने 15 अप्रैल से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी शुरू करने का दावा किया है, लेकिन आदिवासी बाहुल्य शहडोल जिले में जमीनी हालात अलग तस्वीर पेश कर रहे हैं। कई खरीदी केंद्रों पर सन्नाटा पसरा मिला, व्यवस्थाएं अधूरी रहीं और किसानों की कम भागीदारी ने सरकारी तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

शहडोल।

जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की शुरुआत प्रशासनिक दावों के विपरीत सुस्त नजर आ रही है। सरकार द्वारा रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए 15 अप्रैल से गेहूं उपार्जन प्रारंभ करने की घोषणा की गई थी, लेकिन पहले ही दिन कई खरीदी केंद्रों पर व्यवस्थाएं नदारद दिखीं। जिले के कई केंद्रों पर न तो किसान पहुंचे और न ही जिम्मेदार कर्मचारी मौजूद मिले। कुछ केंद्रों पर ताले लटके होने से खरीदी व्यवस्था की तैयारियों पर सवाल खड़े हो गए हैं।ग्राउंड स्तर पर निरीक्षण के दौरान बुढ़ार खरीदी केंद्र सहित जिले के कई केंद्रों पर सन्नाटा पसरा मिला। जिन स्थानों पर किसानों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी थीं, वहां मूलभूत व्यवस्थाओं का भी अभाव देखा गया। शासन के निर्देशों के अनुसार खरीदी केंद्रों पर किसानों के लिए छाया हेतु टेंट, पेयजल, कंप्यूटर व्यवस्था और ऑनलाइन प्रणाली सुनिश्चित की जानी थी, लेकिन अधिकांश केंद्रों पर यह व्यवस्थाएं दिखाई नहीं दीं।कई केंद्र परिसरों में गंदगी और अव्यवस्था भी देखने को मिली। इससे यह स्पष्ट होता है कि खरीदी प्रक्रिया शुरू होने से पहले आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी नहीं की गईं। किसानों के बैठने, तौल व्यवस्था और दस्तावेजी प्रक्रिया के लिए भी पर्याप्त इंतजाम नजर नहीं आए।जिले में किसानों की कम उपस्थिति के पीछे स्थानीय परिस्थितियां भी प्रमुख कारण बताई जा रही हैं। वर्तमान समय में अधिकांश किसान गेहूं की कटाई और फसल समेटने में व्यस्त हैं, जिसके कारण वे खरीदी केंद्रों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी खेतों में कटाई कार्य जारी है, ऐसे में किसान उपज बेचने की बजाय पहले फसल सुरक्षित करने को प्राथमिकता दे रहे हैं।जानकारों का कहना है कि जिले में अन्य मैदानी जिलों की तुलना में गेहूं का उत्पादन अपेक्षाकृत कम होता है। यहां के किसान धान, मक्का और अन्य फसलों की ओर अधिक रुझान रखते हैं। यही कारण है कि जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने के लिए किसानों की रुचि सीमित दिखाई दे रही है।खरीदी प्रक्रिया में स्लॉट बुकिंग की धीमी रफ्तार भी प्रशासन के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। जिले में कुल 9,526 किसानों ने पंजीयन कराया है, लेकिन 13 अप्रैल तक केवल 418 किसानों ने ही स्लॉट बुक कराया था। यह आंकड़ा दर्शाता है कि पंजीयन के मुकाबले वास्तविक खरीदी प्रक्रिया में किसानों की भागीदारी बेहद कम है।जिला प्रशासन के अनुसार इस वर्ष गेहूं का समर्थन मूल्य 2,585 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनस भी दिया जा रहा है। इस प्रकार किसानों को कुल 2,625 रुपये प्रति क्विंटल भुगतान किया जाएगा। बेहतर मूल्य मिलने के बावजूद किसानों की सीमित भागीदारी कई सवाल खड़े कर रही है।अधिकारियों का कहना है कि जिले में गेहूं उत्पादन कम होने से खरीदी की गति धीमी है। कुछ क्षेत्रों में किसानों ने अभी तक स्लॉट बुक नहीं कराया है। बुढ़ार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले केशवाही, झींकबिजुरी और रसमोहनी जैसे क्षेत्रों से भी किसानों की भागीदारी कम बताई जा रही है। वहीं सामतपुर क्षेत्र में गेहूं उत्पादन अपेक्षाकृत अधिक होने की जानकारी सामने आई है।स्थानीय किसानों का कहना है कि खरीदी केंद्रों पर समय पर व्यवस्था नहीं होने से भी परेशानी बढ़ती है। यदि केंद्र समय पर खुलें, तौल व्यवस्था सुचारु रहे और भुगतान प्रक्रिया सरल हो तो किसानों की रुचि बढ़ सकती है। कई किसानों ने यह भी कहा कि कटाई सीजन में स्लॉट बुकिंग की समय सीमा और खरीदी तिथियों में स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार लचीलापन होना चाहिए।फिलहाल जिले में गेहूं खरीदी की शुरुआत सुस्त रहने से प्रशासनिक दावों की पोल खुलती नजर आ रही है। यदि समय रहते केंद्रों की व्यवस्थाएं दुरुस्त नहीं की गईं और किसानों को सुविधा नहीं मिली, तो खरीदी लक्ष्य प्रभावित हो सकता है। अब देखना होगा कि प्रशासन जमीनी समस्याओं को कितनी तेजी से दूर कर किसानों का भरोसा जीत पाता है।

पेयजल व्यवस्था पर सख्ती: कलेक्टर का इंटेकवेल व ट्रीटमेंट प्लांट निरीक्षण गर्मी को देखते हुए दिए कड़े निर्देश, गुणवत्ता और नियमित आपूर्ति पर जोर

उमरिया।

नवागत कलेक्टर राखी सहाय ने उमरार डेम स्थित इंटेकवेल, खलेसर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तथा घंघरी में प्रस्तावित 2 लाख लीटर क्षमता के ओवरहेड टैंक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पेयजल व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिलेवासियों को नियमित और स्वच्छ पेयजल हर हाल में उपलब्ध कराया जाए।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने इंटेकवेल से प्राप्त कच्चे पानी का समुचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएचई विभाग को पानी की गुणवत्ता की नियमित जांच कराने, क्लोरीनेशन व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने और निर्धारित मानकों के अनुसार ही जल आपूर्ति करने को कहा। साथ ही पाइपलाइन लीकेज की तत्काल जांच और मरम्मत के निर्देश देते हुए जल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की बाधा न आने देने पर जोर दिया।गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने जल आपूर्ति की सतत मॉनिटरिंग बढ़ाने और संवेदनशील क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखी जाए और शिकायत मिलने पर तुरंत समाधान किया जाए।निर्माणाधीन ओवरहेड टैंक के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने गुणवत्ता और समयसीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को नियमित फील्ड विजिट कर कार्यों की प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश भी दिए।निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेनगुप्ता, मुख्य नगर पालिका अधिकारी किशन सिंह, उपयंत्री देव कुमार गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जनगणना 2027 की तैयारी तेज: प्रगणकों व सुपरवाइजरों को दिया गया विशेष प्रशिक्षण

मकान सूचीकरण और गणना की बारीकियों पर जोर, सटीकता और समयसीमा का पालन करने के निर्देश

उमरिया।

जनगणना 2027 के अंतर्गत मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना से जुड़े कार्यों के लिए प्रगणकों और सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण जिला पंचायत सभागार में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर द्वारा विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई तथा प्रश्नों को सही तरीके से भरने की प्रक्रिया समझाई गई।प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर राखी सहाय ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी प्रगणक एवं सुपरवाइजर अपने दायित्वों को गंभीरता से समझें और प्रशिक्षण के बाद पूरी निष्ठा व जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य में शत-प्रतिशत सटीकता और पारदर्शिता आवश्यक है, क्योंकि इसी के आधार पर भविष्य की योजनाएं तैयार होती हैं।कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी संबंधित अधिकारी निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण करें और प्रत्येक जानकारी का सावधानीपूर्वक एवं सही संकलन सुनिश्चित करें। प्रशिक्षण में मकानसूचीकरण से जुड़े प्रमुख बिंदुओं पर विशेष जोर दिया गया, जिनमें लोकेशन विवरण, लाइन क्रमांक, भवन संख्या, जनगणना मकान संख्या तथा स्व-गणना संदर्भ आईडी दर्ज करने की प्रक्रिया शामिल रही।इसके अलावा भवन और जनगणना मकान के बीच अंतर, फर्श, दीवार एवं छत की मुख्य सामग्री की पहचान, मकान का वास्तविक उपयोग एवं उसकी स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। परिवार से संबंधित विवरण जैसे परिवार क्रमांक, कुल सदस्यों की संख्या, परिवार के मुखिया की जानकारी, मकान के स्वामित्व की स्थिति तथा आवास हेतु उपलब्ध कमरों की संख्या दर्ज करने की विधि भी समझाई गई। इसी प्रकार करकेली और चंदिया में भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

रोहन जैन के शानदार सफलता पर नगर निरीक्षक रत्नांबर शुक्ल ने किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले रोहन जैन 25 का कोतमा नगर घर लौटने पर भव्य स्वागत किया गया। क्षेत्र के लोगों ने इस उपलब्धि पर उनका जोरदार अभिनंदन किया। ट्रेन से आने की खबर पर सैकड़ों लोग फूल माला और मिठाई लेकर पहुंच गए। स्टेशन पर ही ढोल बजाकर स्वागत किया गया। सम्मान यात्रा के दौरान नगर के मुख्य मार्गो पर लोगों ने फूल-मालाओं और जयकारों के साथ रोहन जैन का सम्मान किया। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोग, व्यापारी, युवा, जैन समाज और शुभचिंतक मौजूद रहे, जिससे पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का पल बना रहा। रोहन जैन के पिता राजेश जैन एक साधारण जनरल स्टोर के संचालक हैं। माता कुशल गृहणी हैं। एक साधारण परिवार से निकलकर इतनी बड़ी सफलता हासिल करने पर क्षेत्र के लोग उनके परिवार को बधाई दे रहे हैं। रोहन की प्रारंभिक शिक्षा नगर के इंग्लिश मीडियम स्कूल से हुई, जहाँ से उन्होंने दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके बाद 11वी एवं 12वी केंद्रीय विद्यालय जमुना से पढ़ाई कर इंदौर, दिल्ली जाकर तैयारी शुरू कर दिया। लक्ष्य शुरू से ही सिविल सेवा में जाने का था। कड़ी मेहनत और लगन से तैयारी जारी रखी। सोशल मीडिया से दूर रहते हुए अपने लक्ष्य पर जोर दिया। तीसरे प्रयास में यूपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल कर ली। घर आने पर शुक्रवार को थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ल एवं अन्य प्रतिष्ठित नागरिकों के द्वारा बधाई दी गई। सफलता से पूरे नगर में खुशी एवं गर्व का माहौल है। नई पीढ़ी के लिए बड़ी प्रेरणा का कार्य करेगी। पुनः संघ लोक सेवा आयोग का एकबार फिर परीक्षा देकर और अच्छा पद प्राप्त करना अभी भी लक्ष्य है। नगर निरीक्षक ने शानदार सफलता पर बधाई देकर उज्वल भविष्य की कामना किया। रोहन के पिता का भी सम्मान किया।

नारी शक्ति वंदन उत्सव के तहत संगोष्ठियां, महिलाओं को अधिकारों की दी जानकारी 33% आरक्षण प्रावधान पर जागरूकता, आत्मनिर्भरता और मताधिकार के उपयोग पर जोर

उमरिया।

कलेक्टर राखी सहाय के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रति जागरूकता के लिए नारी शक्ति वंदन उत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जो 25 अप्रैल तक चलेगा। इसी क्रम में ग्राम तखतपुर एवं करकेली में संगोष्ठियों का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि इस अधिनियम के तहत संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है, जिससे राजनीतिक निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित होगी।संगोष्ठी में यह भी जानकारी दी गई कि वर्तमान में संसद और विधानसभाओं में महिलाओं का औसत प्रतिनिधित्व लगभग 14 प्रतिशत है। इसी को ध्यान में रखते हुए महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से यह महत्वपूर्ण पहल की गई है।कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को अपने मताधिकार का जागरूक और स्वतंत्र रूप से उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि वे अपने हितों के अनुरूप प्रतिनिधित्व सुनिश्चित कर सकें। इसे नारी सशक्तिकरण की दिशा में एक अहम कदम बताया गया।परियोजना अधिकारी एवं सेक्टर पर्यवेक्षकों ने शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया और महिला सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

मंत्री दिलीप जायसवाल ने करोड़ों रुपए के विकास कार्यों का किया लोकार्पण और भूमि पूजन

नगर परिषद राजनगर में अमृत योजना 2.0 के अंतर्गत नल जल योजना का किया भूमि पूजन

तालाब के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यकरण का किया लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) में 18 अप्रैल कि शाम को विकास की नई गति देने के लिए करोड़ों रुपए के कार्यों का लोकार्पण और भूमि पूजन का समारोह, आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिलीप जायसवाल राज्यमंत्री कुटीर ग्रामोद्योग मध्यप्रदेश शासन रहे। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि दिलीप जायसवाल द्वारा कार्यक्रम स्थल पर भूमि पूजन का किया गया। तत्पश्चात भारत माता चित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलित किया गया। मंच में उपस्थित कन्याओं का कन्या पूजन किया गया। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) में नगर की बहुत प्रशिक्षित मांग अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत नल जल योजना के भूमि पूजन एवं वार्ड क्रमांक 6 में तालाब का जिर्णोद्धार एवं सौंदर्यकरण के कार्य का मंत्री द्वारा भूमि पूजन एवं तालाब का लोकार्पण किया। इस कार्यक्रम कि अध्यक्षता नगर परिषद बनगवां (राजनगर) के यशवंत सिंह (अध्यक्ष) ने कि, अति विशिष्ट अतिथि दिलीप अहिरवार प्रभारी मंत्री जिला अनूपपुर, अति विशिष्ट अतिथि हिमाद्री सिंह सांसद शहडोल, अति विशिष्ट अतिथि, हीरा सिंह श्याम जिला अध्यक्ष भाजपा अनूपपुर, विशिष्ट अतिथि धनंजय सिंह उपाध्यक्ष नगर परिषद बनगवां (राजनगर), विशिष्ट अतिथि सविता कुशवाहा सभापति लोक निर्माण एवं पार्षद वार्ड क्रमांक 6 तथा समस्त पार्षद गण नगर परिषद बनगवां (राजनगर) रहे।

विकास कार्यों के लिए फंड की कोई कमी नहीं-दिलीप जायसवाल

इस कार्यक्रम के दौरान मंत्री दिलीप जायसवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि, हमारे मध्यप्रदेश की मोहन सरकार में विकास कार्यों के लिए फंड की कोई कमी नहीं है। प्रदेश के विकास के लिए सरकार सदैव तत्पर है। प्रदेश सरकार द्वारा आज प्रदेश भर में अनेक शासकीय योजनाएं चलाई जा रही हैं जिसका सभी प्रदेशवासी लाभ ले रहे है, चाहे वह लाड़ली लक्ष्मी योजना हो, चाहे लाडली बहना योजना हो, एयर एंबुलेंस की सुविधा हो, प्रदेश के विद्यार्थियों के लिये चाहे एमबीबीएस, नीट, इंजीनियरिंग, जैसे पढ़ाई के लिए छात्रों का पूरा खर्च सरकार उठा रही है। परीक्षा में अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को स्कूटी, लैपटॉप मोहन सरकार दे रही है। ऐसे प्रदेश की कई शासकीय योजनाओं के बारे में मंत्री ने बताया जिसका लाभ प्रदेशवासियो को मिल रहा हैं। कार्यक्रम के अंत में नगर परिषद बनगवां (राजनगर) क्षेत्र के सभी विद्यालयों में सबसे अधिक अंक पाने वाले छात्र-छात्राओं एवं उनके परिजनों को मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान मंत्री ने इस कार्यक्रम में बोर्ड परीक्षाओं में सबसे अधिक अंक पाने वाले विद्यार्थियों को 5000 विधायक निधि से देने की घोषणा की है।

नगर परिषद के इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अतिथियों में सिद्धार्थ शिव सिंह जिला महामंत्री भाजपा, प्रेमचंद यादव वरिष्ठ नेता सांसद प्रतिनिधि, प्रभात मिश्रा जिला मंत्री, धर्मेंद्र सिंह अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा जिला, कमलेश चतुर्वेदी मंडल अध्यक्ष, सचिन द्विवेदी महामंत्री, देवनाथ त्रिपाठी, मनीष शुक्ला, अंबिकेश सोनी, केएन शर्मा पूर्व मंडल अध्यक्ष, संगीता माली महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष, सोनू कनौजिया अध्यक्ष युवा मोर्चा, राजनगर मंडल भाजपा के समस्त पदाधिकारीगण, रवि सिंह कॉन्ट्रैक्टर, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार, नगर के नागरिक, वार्ड वाशी, एवं नगर परिषद कि ओर से इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रमुख रूप से लखन लाल पनिका मुख्य नगर पालिका अधिकारी, राजेश मिश्रा लेखापाल, मान शाह कुंजाम (इंजीनियर) समस्त नगर परिषद कर्मचारी रहे। मंच का सफल संचालन अखंड प्रताप सिंह ने किया।

खबर संक्षेप

राज्य सेवा-वन सेवा परीक्षा 26 अप्रैल को, संभागीय पर्यवेक्षक नियुक्त

उमरिया। मप्र लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 26 अप्रैल को जिले में आयोजित की जाएगी। परीक्षा दो पालियों में संपन्न होगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दूसरी पाली दोपहर 2:15 बजे से शाम 4:15 बजे तक आयोजित होगी।कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी राखी सहाय ने बताया कि परीक्षा में लगभग 900 परीक्षार्थी जिले के तीन केंद्रों पर शामिल होंगे। परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए आयोग कार्यालय द्वारा शहडोल संभाग हेतु संभागीय पर्यवेक्षक के रूप में सेवा निवृत्त जिला न्यायाधीश राम गोपाल प्रजापति को नियुक्त किया गया है।प्रशासन ने परीक्षा के शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित आयोजन के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं।

लू से बचने के उपाय बताए, सभी अस्पतालों में दवाइयों व ओआरएस की व्यवस्था

शहडोल। जिले में बढ़ती गर्मी और तापमान के असर को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने आमजन के लिए एडवाइजरी जारी की है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने लोगों से सावधानी बरतने और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की अपील की है। उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है, जिसका मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित कर दी गई है तथा हीट वेव से बचाव के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। डॉ. मिश्रा ने लोगों को सलाह दी है कि तेज धूप में अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें, हल्के और ढीले कपड़े पहनें तथा सिर को कपड़े या टोपी से ढककर रखें। अधिक से अधिक पानी पीने, नींबू पानी, छाछ और लस्सी जैसे पेय पदार्थों का सेवन करने और शरीर में पानी की कमी न होने देने पर जोर दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि बाहर से आने के तुरंत बाद ठंडा पानी पीने से बचें और शरीर को सामान्य तापमान पर आने दें। बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। स्वास्थ्य विभाग ने चेतावनी दी है कि तेज बुखार, चक्कर, उल्टी या अत्यधिक कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क करें। जिले में शासकीय, अशासकीय और शैक्षणिक संस्थानों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। सभी स्वास्थ्य केंद्रों में ओआरएस, पेयजल और आवश्यक दवाइयों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से अपील की है कि गर्मी के मौसम में सतर्क रहें और किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें।

भगवान परशुराम सत्य सनातन धर्म के ध्वजवाहक और समाज कल्याण के पुरोधा रहे: दिलीप पांडे

परशुराम प्रकटोत्सव पर्व पर चिल्हारी में निकली गई भव्य शोभायात्रा

भगवान परशुराम का व्यक्तित्व और कृतित्व आधुनिक समाज के लिए अंगीकार करने का एक सशक्त माध्यम है 1 भाजपा के निवर्तमान जिला अध्यक्ष दिलीप पांडे जी ने आज चिल्हारी में आयोजित ब्राह्मण समाज के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा किमहान तपस्वी, पराक्रमी योद्धा और धर्म के रक्षक, भगवान परशुराम जी के पावन प्रकटोत्सव के शुभ अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए कहा

आज का दिन केवल उत्सव का नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, आदर्शों को अपनाने और समाज को नई दिशा देने का दिन है।भगवान परशुराम, जो भगवान विष्णु के छठे अवतार माने जाते हैं, उन्होंने अन्याय, अधर्म और अत्याचार के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने यह संदेश दिया कि जब-जब समाज में अन्याय बढ़े, तब-तब धर्म की रक्षा के लिए साहस और संकल्प जरूरी होता है। श्री दिलीप पांडे ने कहा कि ब्राह्मण समाज सदैव ज्ञान, संस्कार और धर्म का वाहक रहा है। परशुराम जी स्वयं ब्राह्मण होते हुए भी एक महान योद्धा थे। उन्होंने यह सिद्ध किया कि ब्राह्मण केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि वह समाज का मार्गदर्शक, रक्षक और सुधारक भी है।आज के समय में हमें परशुराम जी के आदर्शों को अपनाने की आवश्यकता है 1 सत्य के मार्ग पर चलना, अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना, और समाज में शिक्षा एवं संस्कार का प्रसार करना।हमारा कर्तव्य है कि हम अपने युवाओं को अपने गौरवशाली इतिहास से जोड़ें, उन्हें संस्कारवान बनाएं और समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनाएं। श्री पांडे ने कहा कि परशुराम जी का जीवन हमें सिखाता है कि शक्ति और ज्ञान का सही उपयोग ही सच्चा धर्म है। इस पावन अवसर पर हम सभी संकल्प लें कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारेंगे और समाज को एक नई दिशा देंगे1 आज के इस भव्य कार्यक्रम में चिल्हारी हनुमान जी के मंदिर में भव्य पूजन कर नगर के विविध मार्गों में शोभायात्रा निकाली गई साथ ही विप्र समाज ने उद्बोधन देकर भगवान परशुराम के व्यक्तित्व और कृतित्व से समाज को अवगत कराया 1 कार्यक्रम के सूत्रधार समस्त विप्रजनों को श्री पांडे ने बधाई दी 1 कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता सुरेन्द्र गौतम रमाकांत तिवारी राजेश शर्मा ओमकार मिश्र दिनेश गौतम रामावतार गौतम कमलेश गौतम राजऋषि मिश्रा राजा मिश्र आभा तिवारी तुलसा मिश्र एवं विप्र बंधु मातृ शक्ति सम्मिलित हुए 1

चंद्राचार्य धमर्थि चिकित्सालय, अमरकंटक में साप्ताहिक निशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित 30 मरीजों को मिला लाभ

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मानव सेवा के पावन संकल्प के साथ चंद्राचार्य धर्मार्थ चिकित्सालय, अमरकंटक में प्रत्येक रविवार की भांति 19 अप्रैल को निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के अंतर्गत क्षेत्र के लगभग 30 जरूरतमंद मरीजों का पंजीयन कर उनका निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया। शिविर में विशेष रूप से स्त्री एवं प्रसूति रोग (गायनिक) संबंधी परामर्श प्रदान किया गया, जिससे महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। अनुभवी चिकित्सकों द्वारा मरीजों की सावधानीपूर्वक जांच कर उन्हें आवश्यक दवाइयां एवं परामर्श उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर शिविर में प्रमुख रूप से डॉ. मीनाक्षी, डॉ. इप्शिता प्रियदर्शिनी, डॉ. एस. के. तिवारी, फार्मासिस्ट देवेश पटेल तथा सहयोगी टीम के रूप में सुखनंदन सिंह, राजेश कुमार तिवारी, ईश्वरी पंडराम, दीपक चंद्रवंशी एवं रामसनेही नाई का सराहनीय योगदान रहा। चिकित्सालय द्वारा नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर की क्षेत्रवासियों ने सराहना की है। इससे ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सहज रूप से उपलब्ध हो रही हैं। चंद्राचार्य धर्मार्थ चिकित्सालय का यह प्रयास निस्संदेह समाज

युवाओ द्वारा चलाया गया पक्षी मित्र अभियान सराहनीय- कलेक्टर

पर्यावरण को संरक्षित रखना हम सब की जिम्मेदारी- राखी सहाय युवाओं ने कलेक्टर को भेंट की तुलसी का पौधा व सकोरा

उमरिया -

कलेक्टर राखी सहाय को युवाओं ने गर्मी को दृष्टिगत रखते हुए सकोरा व तुलसी का पौधा भेंट किया तथा युवाओं ने समर कैंप,पक्षी मित्र अभियान व पर्यावरण संरक्षण विषय पर चर्चा की। इस अवसर पर कलेक्टर राखी सहाय ने कहा कि पक्षी मित्र अभियान व भीषण गर्मी में जल प्रदान करना युवा टीम उमरिया की सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हम अपने घरों में छोटे बच्चे का पालन पोषण कर उसके युवा होने में अपनी पूरी सामर्थ्य क्षमता का योगदान देते है। पर्यावरण को संरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। पर्यावरण संरक्षण हेतु हमें अधिक से अधिक पौधे लगाने होंगे। हम सभी का फर्ज बनता है कि पृथ्वी की खूबसूरत और हरा-भरा बनाए रखने के लिए कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं। जिस प्रकार पर्यावरण संरक्षण का कार्य हम सभी मिलकर करते हैं उसी प्रकार हम सभी को पशु पक्षियों के संरक्षण का भी कार्य करना होगा जिससे हमारा पर्यावरण संतुलित रहे। इसी प्रकार अन्य विषयों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर पक्षी मित्र तिवारी, राहुल सिंह, महेंद्र तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

लीनेस क्लब बुढ़ार की अनोखी पहल

गौ सेवा केंद्र में लगवाया CCTV, गायों के लिए चारा भी कराया उपलब्ध

धनपुरी।

सामाजिक सरोकारों में सक्रिय लीनेस क्लब बुढ़ार ने एक सराहनीय पहल करते हुए अटल कामधेनु गौ सेवा केंद्र में सेवा कार्य किया। क्लब की ओर से गौशाला में गायों की सुरक्षा और निगरानी को बेहतर बनाने के उद्देश्य से CCTV कैमरा लगवाया गया। इसके साथ ही गायों के लिए चना, गुड़, केला एवं भूसे की भी व्यवस्था की गई।क्लब की अध्यक्ष बिन्दा भगत ने इस अवसर पर कहा कि गौ सेवा भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है और यह कार्य केवल सेवा ही नहीं बल्कि पुण्य का भी माध्यम है। उन्होंने कहा कि समाज के हर व्यक्ति को गौ सेवा में अपनी भागीदारी निभानी चाहिए। कैमरा लगाने से गौ सेवा केंद्र की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी और गतिविधियों की नियमित निगरानी संभव हो सकेगी। यह पहल क्लब की संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी को दर्शाती है।वहीं क्लब की सचिव अंजु दुआ ने कहा कि गाय हमारी संस्कृति में सेवा, करुणा और श्रद्धा का प्रतीक है। उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि CCTV कैमरे लगने से गौशाला में किसी भी प्रकार की समस्या पर तुरंत ध्यान दिया जा सकेगा और व्यवस्था अधिक प्रभावी बनेगी।इस सेवा कार्य में क्लब की सदस्य लीनेस स्नेहलता गुप्ता लीनेस मोनिका अग्रवाल लीनेस प्रतिमा जैन सहित अन्य सदस्यों ने भी गौमाता को चारा खिलाकर सेवा की और गौ सेवा केंद्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।कार्यक्रम के दौरान सेवा भावना और सामाजिक सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला, जिससे क्षेत्र में सकारात्मक संदेश भी प्रसारित हुआ।

संघ के 100 वर्ष पूर्ण: बुढ़ार में प्रमुखजन गोष्ठी, राष्ट्र निर्माण पर मंथन

प्रांत कार्यवाह उत्तम बनर्जी बोले हर नागरिक की भागीदारी से ही सशक्त राष्ट्र संभव

शहडोल।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले के बुढ़ार खंड अंतर्गत जैतपुर क्षेत्र में रविवार को प्रमुखजन गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के प्रबुद्ध नागरिकों, विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों और गणमान्यजनों की सक्रिय सहभागिता रही। गोष्ठी का उद्देश्य राष्ट्र निर्माण, सामाजिक जागरूकता और संगठनात्मक समन्वय जैसे विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श कर समाज में सकारात्मक संवाद को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में संघ के महाकोशल प्रांत के प्रांत कार्यवाह उत्तम बनर्जी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के विकास में प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जब समाज का हर व्यक्ति अपने मन, वचन और कर्म से राष्ट्रहित में समर्पित होकर कार्य करता है, तभी सामाजिक चुनौतियों का समाधान संभव होता है और एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण होता है।

उन्होंने सामाजिक एकता, अनुशासन और सामूहिक प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संघ ने अपनी 100 वर्षों की यात्रा में सेवा, संगठन और संस्कार के मूल्यों को समाज में स्थापित करने का निरंतर प्रयास किया है।

आयोजकों के अनुसार, ऐसे आयोजनों का उद्देश्य जागरूक और जिम्मेदार नागरिकों को एक मंच पर लाकर समाज और राष्ट्र से जुड़े विषयों पर चर्चा को बढ़ावा देना है। गोष्ठी के माध्यम से विभिन्न वर्गों के बीच संवाद और समन्वय को मजबूत करने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनों ने राष्ट्र निर्माण और सामाजिक सद्भाव के लिए निरंतर सक्रिय रहने का संकल्प लिया। आयोजन शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्रवाई से नाराज बदमाश खनिज कार्यालय पहुंचे, सर्वेयर को दी धमकी

शहडोल जिले में खनिज माफिया के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई से नाराज कुछ लोगों ने शनिवार शाम जिला खनिज कार्यालय पहुंचकर खनिज सर्वेयर को धमकाया। घटना ने प्रशासनिक व्यवस्था और अधिकारियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, खनिज विभाग के सर्वेयर समय लाल गुप्ता ने बीते दिवस सिंहपुर क्षेत्र में अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ कार्रवाई की थी। इस दौरान वाहन क्रमांक एमपी 18 **ZF** 6617 को पकड़ा गया, जिसे राजेंद्र नामक चालक चला रहा था। बताया जा रहा है कि उक्त वाहन ऋषभ मिश्रा से जुड़ा हुआ है। वाहन में रेत भरी हुई थी, जिसका परिवहन बिना वैध अनुमति के किया जा रहा था। सूत्रों के अनुसार, वाहन में लदी रेत छत्तीसगढ़ के मल्दा क्षेत्र से लाई जा रही थी। लंबे समय से यह आरोप सामने आते रहे हैं कि मल्दा क्षेत्र से फर्जी टीपी (ट्रांजिट पास) के माध्यम से रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन किया जा रहा है। यही रेत जैतपुर, केशवाही, सीधी, बुढार सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचाई जाती है और खुलेआम बेची जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि फर्जी टीपी के जरिए चल रहे इस खेल की जानकारी समय-समय पर प्रशासन तक पहुंचती रही है, लेकिन कार्रवाई ठंडी पड़ जाती है। आरोप यह भी हैं कि जब खनिज अधिकारियों द्वारा सख्ती दिखाई जाती है, तब विवाद शुरू हो जाता है या फिर किसी बड़े नेता का फोन आ जाता है, जिसके बाद मामला दबा दिया जाता है। रविवार को खनिज विभाग द्वारा उक्त वाहन के जप्त होने और कार्रवाई किए जाने संबंधी प्रेस नोट भी जारी किया गया, जिसे जनसंपर्क विभाग ने प्रसारित किया। विभागीय दस्तावेजों में वाहन जप्ती की पुष्टि होने के बाद इस कार्रवाई को खनिज माफिया के खिलाफ महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा था। इसी कार्रवाई से नाराज होकर शनिवार शाम कुछ लोग जिला खनिज कार्यालय पहुंच गए। आरोप है कि उन्होंने वहां मौजूद खनिज सर्वेयर समय लाल गुप्ता से बहस की और कार्रवाई को गलत बताते हुए दबाव बनाने की कोशिश की। इतना ही नहीं, कार्यालय के अंदर मोबाइल से वीडियो भी बनाया गया। इस दौरान वहां मौजूद कर्मचारी खुद को असहाय महसूस करते रहे।घटना की सूचना शहडोल कोतवाली पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। कुछ देर तक बहस और तनाव का माहौल बना रहा। बाद में जिला खनिज अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।गौरतलब है कि शहडोल जिला पहले भी खनिज माफिया की गतिविधियों को लेकर चर्चा में रहा है। यहां अवैध खनन से जुड़े मामलों में पहले एएसआई और पटवारी की हत्या जैसी गंभीर घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसके बावजूद माफिया नेटवर्क पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पाया है।अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि खनिज विभाग के अधिकारी और सर्वेयर ही सरकारी कार्यालय में सुरक्षित नहीं हैं, तो अवैध उत्खनन पर कार्रवाई कैसे होगी? क्या प्रशासन माफिया पर सख्त कदम उठाएगा या फिर यह मामला भी दब जाएगा? फिलहाल पूरे जिले की नजरें पुलिस और प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं।

बैंकों की सुरक्षा पर पुलिस सख्त, जिलेभर में चला सघन निरीक्षण अभियान

सीसीटीवी, अलार्म सिस्टम और गार्ड व्यवस्था की जांच; कर्मचारियों को सतर्कता के निर्देश

शहडोल। जिले में बैंकों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए पुलिस ने रविवार को व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सभी थाना प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की बैंक शाखाओं का सघन निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधिकारियों ने बैंक परिसरों, प्रवेश एवं निकास द्वार, कैश काउंटर, सीसीटीवी कैमरे, अलार्म सिस्टम और सुरक्षा गार्डों की तैनाती की स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया। साथ ही बैंक प्रबंधन और कर्मचारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

अधिकारियों ने बैंक कर्मचारियों को सतर्क रहने, संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना देने के निर्देश दिए। पुलिस ने स्पष्ट किया कि बैंक सुरक्षा में कर्मचारियों की सजगता सबसे अहम भूमिका निभाती है।

निरीक्षण के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक की सुरक्षा गाइडलाइन का पालन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैंक प्रबंधन को निर्देशित किया गया कि सभी सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत पालन किया जाए। साथ ही पैनिक अलार्म और सायरन उचित स्थानों पर लगाए जाएं और उनकी नियमित जांच की जाए। पुलिस ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि सभी बैंक शाखाओं में चैनल गेट अनिवार्य रूप से लगे हों और सीसीटीवी कैमरों की मॉनिटरिंग प्रभावी ढंग से की जाए। कैमरों की कवरेज ऐसी हो कि बैंक का कोई भी कोना नजर से ओझल न रहे और रिकॉर्डिंग सिस्टम पूरी तरह सक्रिय रहे।

इसके अलावा सुरक्षा गार्डों की नियुक्ति अधिकृत एजेंसियों से किए जाने, उनके प्रशिक्षण और पुलिस सत्यापन पर भी जोर दिया गया। निजी सुरक्षा गार्डों और रिकवरी एजेंटों का सत्यापन अनिवार्य करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस लगातार सक्रिय है। बैंक सुरक्षा को लेकर ऐसे निरीक्षण अभियान आगे भी जारी रहेंगे, ताकि आमजन का भरोसा कायम रहे और आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

मौत के साए में घर-दुकान- ट्रांसमिशन लाइनों के नीचे बसा खतरा, ट्रांसको का सख्त एक्शन शुरू

अनूपपुर जिले में हाइटेंशन ट्रांसमिशन लाइनों के पास हो रहे अवैध निर्माण अब जानलेवा खतरे में बदलते जा रहे हैं। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए एमपी ट्रांसको ने सख्त अभियान छेड़ दिया है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि थोड़ी सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। अभियान के तहत न केवल कार्रवाई हो रही है, बल्कि लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है।

हरिभूमि न्यज अनूपपुर।

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा अनूपपुर और आसपास के क्षेत्रों में ट्रांसमिशन लाइनों के समीप बढ़ते अवैध निर्माणों पर सख्ती दिखाई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, ये निर्माण न सिर्फ नियमों का उल्लंघन हैं, बल्कि सीधे तौर पर लोगों की जान के लिए खतरा बने हुए हैं। हाईटेंशन लाइनों में प्रवाहित विद्युत धारा सामान्य घरेलू बिजली से कई गुना अधिक घातक होती है, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। अभियान के तहत अब तक दो दर्जन से अधिक निर्माण चिन्हित किए गए हैं, जिनमें से कई को हटाने की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। प्रशासन की प्राथमिकता है कि समय रहते इन खतरों को खत्म कर नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

27 से 35 मीटर का 'नो एंट्री' जोन

ट्रांसमिशन लाइनों के आसपास सुरक्षा के सख्त नियम तय हैं। 132 केवी लाइन के दोनों ओर 27 मीटर और 220 केवी लाइन के लिए 35 मीटर तक का क्षेत्र पूरी तरह प्रतिबंधित है। इस दायरे में किसी भी प्रकार का निर्माण करना कानूनन गलत है। इसके बावजूद लोग अनजाने या लापरवाही में मकान और दुकानें खड़ी कर लेते हैं। यह 'नो एंट्री' जोन दरअसल सुरक्षा कवच है, जिसे नजरअंदाज करना खुद की जान को जोखिम में डालने जैसा है।

600 गुना ज्यादा खतरनाक करंट

ट्रांसमिशन लाइनों में बहने वाली बिजली सामान्य घरेलू सप्लाई से 600 से 950 गुना अधिक घातक होती है। इसका असर इतना खतरनाक होता है कि संपर्क में आए बिना भी गंभीर नुकसान हो सकता है। तेज हवा या बारिश में तारों के झूलने से खतरा और बढ़ जाता है। ऐसे में इन लाइनों के पास रहना या निर्माण करना किसी अदृश्य मौत के साए में जीने जैसा है, जहां हादसा कभी भी हो सकता है।

23 निर्माण चिन्हित, मचा हड़कंप

अनूपपुर और कोतमा क्षेत्र में अब तक 23 ऐसे निर्माण चिन्हित किए गए हैं, जो ट्रांसमिशन लाइन के खतरनाक दायरे में आते हैं। इन सभी को नोटिस जारी कर चेतावनी दी गई है कि वे खुद ही निर्माण हटा लें, अन्यथा प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा। इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और लोग अब अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर होते नजर आ रहे हैं।

चार निर्माण हटाए, अभियान तेज

ट्रांसको की टीम ने अब तक चार खतरनाक निर्माणों को हटाकर साफ संदेश दे दिया है कि नियमों के साथ समझौता नहीं होगा। अधीक्षण अभियंता आर.एस. पांडे और कार्यपालन अभियंता ए.पी.एस. चौहान के नेतृत्व में शहडोल टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। रेलवे ट्रैक्शन लाइन के पास बने निर्माणों को हटाना प्राथमिकता में रखा गया है, ताकि बड़े हादसे को रोका जा सके।

सुरक्षा ही सबसे बड़ी गारंटी

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने भी नागरिकों से अपील की है कि वे ट्रांसमिशन लाइनों के पास निर्माण करने से बचें और सुरक्षा मानकों का पालन करें। उनका कहना है कि थोड़ी सी सावधानी ही जीवन की सबसे बड़ी सुरक्षा है। प्रशासन लगातार जागरूकता अभियान चला रहा है, लेकिन अंतिम जिम्मेदारी नागरिकों की भी है कि वे नियमों का पालन करें और खुद को व अपने परिवार को सुरक्षित रखें।

भीषण सड़क हादसा

ट्रैक्टर ट्राली पलटने से चार मजदूरों की दबकर हुई मौत

चारों मृतक डिंडोरी जिले के निवासी, गांव में पसरा मातम

हरिभूमि न्यजअनूपपुर। जिले के करनपठार थाना क्षेत्र में एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। डिंडौरी जिले के करंजिया क्षेत्र से पौनी क्रेशर गिट्टी लेने जा रहा एक ट्रैक्टर ठाड़पाथर के पास अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसा इतना भयावह था कि ट्रैक्टर में सवार 3 युवक और 1 किशोर इंजन के नीचे दब गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर में चार लोग सवार थे, जो गिट्टी लेने जा रहे थे। तेज रफ्तार के कारण ट्रैक्टर अचानक नियंत्रण से बाहर हो गया और सड़क से नीचे उतरकर पलट गया। दुर्घटना के बाद चारों युवक काफी देर तक इंजन के नीचे दबे रहे और तड़प-तड़पकर दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान अंकुश उइके उम्र 24, ब्रजेश पेंदो उम्र 20, रविंद्र कुमार गोयल उम्र 18 और प्रकाश मार्को उम्र 17 के रूप में हुई है। सभी युवक डिंडोरी जिले के भीमकुंडी गांव के निवासी थे। बताया जा रहा है कि अंकुश उइके ही ट्रैक्टर का मालिक और चालक था। घटना की सूचना मिलते ही करनपठार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद ट्रैक्टर को सीधा कर नीचे फंसे लोगों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक सभी की मौत हो चुकी थी। एक ही गांव के चार लड़कों की मौत से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में मातम पसरा हुआ है। थाना प्रभारी वीरेंद्र बरकड़े के अनुसार, मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए बेनीबारी अस्पताल भेजा गया है, जिसके बाद शव परिजनों को सौप दिया गया।

अनुकृति ने बोर्ड परीक्षा में लहराया परचम

हरिभूमि न्यजकोतमा। हौसलों में जान हो, तो मंजिल खुद-ब-खुद कदम चूमती है। इस कहावत को कोतमा नगर की मेधावी छात्रा अनुकृति सोनी ने चरितार्थ कर दिखाया है। अनुकृति सोनी ने कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 92.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर न केवल अपने माता-पिता का सिर फक्र से ऊँचा किया है, बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। कोतमा की रहने वाली अनुकृति विवेक शिक्षा निकेतन हाई सेकेंडरी स्कूल कोतमा की छात्रा हैं। उनकी इस शानदार उपलब्धि पर घर और मोहल्ले में जश्न का माहौल है। अनुकृति के पिता शिवराम सोनी और माता लक्ष्मी सोनी ने बेटी की इस कामयाबी पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अनुकृति ने हमेशा से ही अपनी पढ़ाई को प्राथमिकता दी और यह उसकी निरंतर मेहनत का ही मीठा फल है। विद्यालय के शिक्षकों के अनुसार, अनुकृति केवल पढ़ाई में ही नहीं, बल्कि अन्य गतिविधियों में भी हमेशा अव्वल रही हैं।

एकलव्य विद्यालय में आज आयोजित होगा जिला स्तरीय "नारी शक्ति वंदन" कार्यक्रम

हरिभूमि न्यज अनूपपुर। मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार नारी शक्ति की गरिमा और उनके अधिकारों के प्रति जन-जागरूकता लाने के उद्देश्य से जिले भर में 10 अप्रैल से 25 अप्रैल तक "नारी शक्ति वंदन" पखवाडा हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इसी अनुक्रम में आज 20 अप्रैल को अनूपपुर के एकलव्य आवासीय विद्यालय के ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग विनोद परस्ते को नोडल अधिकारी तथा सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती मंजूषा शर्मा को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर टेन्ट, साउण्ड सिस्टम, माईक, स्टेज निर्माण, कार्यक्रम स्थल में साफ-सफाई एवं पेयजल की व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल पर स्थानीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं तथा स्वसहायता समूह की दीदियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने सहित अन्य व्यवस्थाओं के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों की ड्यूटी भी लगाई है।

अक्षय तृतीया आज, होगी गुड्डे गुडियो की शादी

भगवान श्री परशुराम जयंती की निकाली जाएगी शोभा यात्रा

अनूपपुर।

अक्षय तृतीया पर गुड्डे गुडिया की होगी शादी बाजार में मिट्टी के गुड्डे-गुड़ियों से बाजार सज गया है। इस दिन घरों में छोटे बच्चे पारंपरिक विधि विधान से गुड्डे गुड़ियों की शादी रचाते हैं। अक्षय तृतीया यानी अक्ती के दिन नगर सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शादियां होंगी। बच्चे गुड्डे गुड़ियों की भी शादी रचाएंगे।

इसके लिए बाजार में मिट्टी के गुड्डे गुड़िया, दूल्हा दुल्हन की बिक्री के लिए दुकाने सजाई गई थी। बुधवार को अक्षय तृतीया का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा जिसको लेकर रविवार को सुबह से ही बाजार मे खरीददारी करने वाले लोगों की भीड़ देर रात तक लगी रही। अक्षय तृतीया के दिन शुभ कार्यों एवं मांगलिक कार्यों के लिए किसी भी प्रकार के मुहूर्त की आवश्यकता नहीं होती है इसलिए इस दिन वैवाहिक कार्यक्रम भी जमकर होंगे। रविवार को खरीदारी करने के लिए बाजार में ग्राहकों की भारी भीड़ नजर आई। बाजार में गुड्डे गुड़ियों की बिक्री भी जमकर हो रही थी जिसकी खरीदारी के लिए बच्चियों बाजार में सुबह से लेकर देर शाम तक खरीदारी करते नजर आई। वही शादी ब्याह का मूहूर्त होने के कारण मनिहारी, कपडा, इलेक्ट्रॉनिक, बर्तन दुकानों के साथ ही अन्य दुकानों मे जमकर लोगों ने खरीददारी की।

मुहूर्त की आवश्यकता नहीं

हिन्दू धर्म के अनुसार अक्षय तृतीया विवाह के लिए शुभ दिन माना गया है। इस दिन किसी भी शुभ कार्य या विवाह के लिए मुहूर्त की आवश्कता नहीं होती है। इस दिन गांव-गांव व शहर में भारी संख्या में शादी होती है। इस पर्व को अक्ती या आखातीज पर्व के नाम से भी जाना जाता है। एक ओर शादी जोड़े विवाह के बंधन में बंधेंगे। वहीं शादी के बंधन से अंजान बच्चे पूरे रीति रिवाज के साथ मिट्टी के बने गुड्डे-गुड़ियों का पारंपरिक ब्याह रचाएंगे। कई परिवारों में बच्चे के साथ माता-पिता भी गुड्डे-गुड़ियों के विवाह की रश्में उसी तरह संपन्न कराएंगे, जैसे वास्तव में विवाह हो रहा हो। बच्चे पेड़ों की डालियों को छावनी नुमा बनाकर काल्पनिक गुड्डे-गुड़ियों को शादी के बंधन में बांधकर भेंट करने घर-घर जाएंगे।

प्रशासन सजग

जिला मुख्यालय सहित कोतमा नगर एवं कोयलांचल तथा ग्रामीण क्षेत्रों में अखातीज को लेकर जहां तैयारियां चल रही हैं वहीं प्रशासन ने भी कमर कसते हुए बाल विवाह को रोकने के लिए टीम का गठन करते हुए बाल विवाह किसी भी तरह से न हो साथ ही बाल विवाह मे शामिल टेंट, केटरर, नाऊ, पंडित, डेकोरेशन के मालिकों के विरूद्ध भी कार्यवाही करने के निर्देश कलेक्टर हर्षल पंचोली के द्वारा दिए गए हैं।

भगवान श्री परशुराम जयंती आज, निकाली जाएगी शोभा यात्रा

आज वैशाख मास शुक्ल पक्ष तृतीया तिथि (अक्षय तृतीया) को भगवान श्री परशुराम जयंती के पावन अवसर पर जिला मुख्यालय सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों मे भगवान विष्णु के छठवें अवतार परशुराम जी स्वामी के प्रगटोत्सव पर भव्य एवं पारंपरिक शोभा यात्रा निकाली जाएगी। जिला मुख्यालय मे भगवान परशुराम जी के पूजन उपरांत पुण्य श्लोकों का पाठन कर यात्रा प्रारम्भ होगी, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए शंकर मंदिर चौक पहुंचेगी। जहाँ भगवान परशुरामजी के पूजन उपरांत यात्रा सम्पन्न होगी। इस यात्रा में जिले के समस्त विप्र बंधुओं और गणमान्य जनों को आमंत्रित किया गया है। जिले के सभी ब्राह्मण भाइयों से विनम्र अपील की है कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा संख्या में उपस्थित होकर भगवान परशुराम प्रगटोत्सव कार्यक्रम को सफल बनाएँ।

अमरकंटक में श्री यंत्र मंदिर आस्था, शिल्प और दिव्यता का अद्भुत संगम

अमरकंटक।

पवित्र पर्वत नगरी अमरकंटक, जो अपनी आध्यात्मिक गरिमा और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए देशभर में विख्यात है, अब एक और दिव्य आकर्षण से समृद्ध होने जा रही है। सोनमुड़ा रोड पर स्थित भव्य श्री यंत्र मंदिर अपनी अद्भुत वास्तुकला और आध्यात्मिक महत्ता के कारण श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बन रहा है। यह मंदिर माता लक्ष्मी के पवित्र श्रीयंत्र के स्वरूप पर आधारित है, जो भारतीय सनातन परंपरा में समृद्धि, शक्ति और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। मंदिर की संरचना अत्यंत सूक्ष्म गणनाओं एवं शास्त्रीय सिद्धांतों के अनुरूप की गई है, जिससे यह न केवल एक धार्मिक स्थल बल्कि अद्वितीय स्थापत्य कला का जीवंत उदाहरण बन गया है। मंदिर के निर्माण में विशेष मुहूर्तों का ध्यान रखा गया है, जिससे इसकी आध्यात्मिक ऊर्जा और भी प्रभावशाली मानी जा रही है। कुशल शिल्पकारों द्वारा की गई बारीक नक्काशी और ज्यामितीय संरचना इसे अन्य मंदिरों से अलग पहचान प्रदान करती है। दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालु यहां न केवल दर्शन के लिए बल्कि इसकी दिव्य संरचना को निहारने के लिए भी आकर्षित हो रहे हैं। स्थानीय जनों के अनुसार, इस मंदिर के पूर्ण रूप से तैयार होने के पश्चात इसका भव्य उद्घाटन शीघ्र ही किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में धार्मिक अनुष्ठान, पूजन एवं विशेष कार्यक्रमों के आयोजन की संभावना व्यक्त की जा रही है, जिससे अमरकंटक की धार्मिक महत्ता में और वृद्धि होगी। अमरकंटक, जो पहले से ही मां नर्मदा के उद्गम स्थल के रूप में प्रसिद्ध है, अब श्री यंत्र मंदिर के रूप में एक और आध्यात्मिक धरोहर प्राप्त करने जा रहा है। यह मंदिर न केवल श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बनेगा, बल्कि क्षेत्र के पर्यटन और सांस्कृतिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

प्लॉट बेचना है
अनूपपुर में
चचाई रोड में अण्डर ब्रिज से 500 मी. आगे मेन रोड में (प्लाट साईज 40 X 124) चारों तरफ बांउड्रीवाल बनी हुई है।
सम्पर्क
8839048890, 9971596624

शासकीय महाराजा मार्तंड महाविद्यालय कोतमा में मनाया गया डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती

हरिभूमि न्यजअनूपपुर। 19 अप्रैल को शासकीय महाराजा मार्तंड महाविद्यालय कोतमा में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के द्वारा विकासखंड स्तरीय पखवाड़ा के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में अतिथि नागेंद्र त्रिपाठी मंडल अध्यक्ष के डॉ भीमराव अंबेडकर जी के छायाचित्र दीप प्रज्वलित माल्यार्पण कर कार्यक्रम को शुभारंभ किया गया एवं अतिथियों स्वागत करते हुए उसी पश्चात सर्व प्रथम बीएसडब्लू द्वितीय वर्ष छात्र श्रीमति मीना सिंह, धीरज विश्वकर्मा के स्वागत गीत गायाएवं एमएसडब्लू प्रथम वर्ष छात्र कुमारी खुशबू शर्मा के द्वारा कहा गया जिस दौर में देश सामाजिक बुराई और असमानता की जंजीरों में जकड़ा था और महिलाओं के पास कोई सामाजिक अधिकार नहीं थे, उस समय बाबा साहेब एक 'रोशनी की किरण' बनकर अवतरित हुए। उन्होंने अपनी विद्वता और दूरदर्शिता से एक ऐसे संविधान का निर्माण किया, जो आज हर भारतीय नागरिक को एक समान नजर से देखता है उसी पश्चात कुमारी राधा विश्वकर्म एवं सोनू मिश्रा के द्वारा डॉ भीमराव अंबेडकर जी के स्वागत गीत प्रेरणा संदेश पर प्रकाश डाला गया सरिमन साकेत विकासखंड समन्वयक मध्यप्रदेश जन अभियान कोतमा के द्वारा डॉ भीमराव अंबेडर जी

के बारे में कहा कि बाबा साहेब द्वारा दिए गए 'शिक्षित बनो और संगठित रहो' के नारे को अपने जीवन में उतारने की आवश्यकता है। शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे व्यक्ति न केवल उच्च पद हासिल कर सकता है, बल्कि अपने हक और सम्मान के लिए मजबूती से लड़ भी सकता है। ओमकार सिंह जीएस हितकारिणी संस्था बाबा साहेब की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज हम जो स्वतंत्र रूप से अपने अधिकारों के साथ अपनी बात रख पा रहे हैं, यह बाबा साहेब की ही देन है। यदि हम उनके संघर्षों का थोड़ा हिस्सा भी अपने जीवन में उतार लें, तो हम आधुनिक समय की हर ऊँचाई को छू सकते हैं। बाबा साहेब का मानना था कि 'जिंदगी लंबी होने के बजाय महान होनी चाहिए', हमें इसी महानता की दिशा में कार्य करना है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करें, क्योंकि शिक्षित व्यक्ति ही समाज में अपनी बात को सरलता और प्रखरता से रख सकता है। इस अवसर पर बाबा साहब के विचारों पर प्रकाश डालते हुए नागेंद्र त्रिपाठी मंडल उपाध्यक्ष ने कहा कि बाबा साहब महान समाज सुधारक चिंतक व संविधान के निर्माता थे जिन्होंने देश को सामाजिक समरसता के साथ आगे बढ़ाने का मंत्र दिया था। बाबा साहेब के जीवन संघर्ष, सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार और 'शिक्षा की शक्ति' तथा समाज को 'शिक्षित और संगठित' होने का प्रभावी संदेश जो बाबा साहब ने दिया था उसे आत्मसात करने की बात कही एवं परामर्शदाता कार्यक्रम का सफल संचालन परामर्शदाता प्रिंस पांडे के द्वारा किया गया तथा अतिथियों का आभार प्रदर्शन परामर्शदाता श्रीमति प्रतिभा साहू ने किया। कार्यक्रम मे नवांकुर संस्था प्रमुख महेंद्र यादव, हिरेंद्र तिवारी, राशि रैकवार, सरिता त्रिपाठी, अजय शर्मा तथा छात्र-छात्राएं प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।